Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302302**
Title of the Paper	**:**	**योगसूत्र एवं गौड़पादकारिका** **Yogasutra & Gaudapadakarika**
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, LOCF, January-2024**
Group:	**:**	**B**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. योगसूत्रभाष्य के अनुसार चित्तवृत्ति पर प्रकाश डालिए। 10
   Define Cittavrittis in detail according to the Yogasūtrabhāşya.

   अथवा/OR

   योगसूत्रभाष्य के आधार पर कर्म के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।
   Elaborate theory of Karma on the basis of the Yogasūtrabhāşya.

2. माण्डूक्योपनिषद् के अनुसार उपहित चैतन्य एवं तुरीय के मध्य पार्थक्य का विवेचन कीजिए। 10
   Discuss the differences of Upahita Caitanya and Turiya Caitanya according to the Māṇḍūkyopaniṣad.

   अथवा/OR

   गौडपाद द्वारा प्रतिपादित अद्वैतप्रकरण में उद्धृत श्रुतिवाक्यों के आधार पर अजातवाद का विवेचन कीजिए।
   Examine the concept of Ajātavāda on the basis of the Śrutipramāṇas, mentioned by Gaudapāda in Advaitaprakaraṇa.

.

3. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 7x4=28

Explain the following with reference to the context:

(क) अथ योगानुशासनम् ।

अथवा/OR

तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः।

(ख) जन्मौषधिमन्त्रतपःसमाधिजाः।

अथवा/OR

अतीतानागतं स्वरूपतोऽस्त्यध्वभेदाद्धर्माणाम्।

(ग) प्रणवो ह्यपरं ब्रह्म प्रणवश्च परः स्मृतः।
अपूर्वोऽनन्तरोऽबाह्योऽनपरः प्रणवोऽव्ययः॥

अथवा/OR

अदीर्घत्वाच्च कालस्य गत्वा देशान्न पश्यति।
प्रतिबुद्धश्च वै सर्वस्तस्मिन्देशे न विद्यते॥

(घ) आत्मा ह्याकाशवज्जीवैर्घटाकाशैरिवोदितः।
घटादिवच्च संघातैर्जातावेतन्निदर्शनम्॥

अथवा/OR

भूतं न जायते किंचिदभूतं नैव जायते।
विवदन्तोऽद्वया ह्येवमजातिं ख्यापयन्ति ते॥

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो: 5+5+5+7=22

Write notes on the following in which one should be in Sanskrit

(क) परवैराग्य **अथवा/OR** पुरुषविशेष

(ख) कैवल्य **अथवा/OR** निर्माणचित्त

(ग) अस्पर्शयोग **अथवा/OR** स्वप्न पदार्थों का मिथ्यात्व

(घ) माण्डूक्यकारिका के अद्वैतप्रकरण में जीवोत्पत्ति सम्बन्धी मत

अथवा/OR

अलातशान्तिप्रकरण के अनुसार पूर्वपक्ष का बाह्यार्थवादसिद्धान्त